एच.पी.एस.सी मुख्य परीक्षा-2014
हिन्दी और हिन्दी निबंध
H.P.S.C Mains Exam-2014
Hindi and Hindi Essay

हिन्दी और हिन्दी निबंध (कोड-25)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये,

(15)

1. हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

Is it possible to have two entirely different kinds of economy in a country-one based on the big machine and industrialization, and the other mainly on cottage industries? This is hardly conceivable, for one must overcome the other, and there can be little doubt that the big machine will triumph unless it is forcibly prevented from doing so. Thus it is not a mere question of adjustment of the two forms of production and economy. One must be dominating and paramount, with the other as complementary to it, fitting in where it can. The economy based on the latest technical achievements of the day must necessarily be the dominating one. If technology demands the big machine, as it does today in a large measure. then the big machine with all its implications and consequences must be accepted:

2. सरकारी और अर्धसरकारी पत्र में अंतर सोदाहण स्पष्ट कीजिये। (अंक 10)

अथवा

अपने क्षेत्र में सफाई की उचित व्यवस्था हेतु निगमायुक्त को एक पत्र लिखिये।

3. निम्नलिखित अवतरण सार एक तिहाई शब्दों में लिखिये: (अंक 10)

सौंदर्य बाहर की कोई वस्तु नहीं है, मन के भीतर की वस्तु है। योरपीय कला-समीक्षा की यह एक बड़ी ऊँची उड़ान या बड़ी दूर की कौड़ी समझी गयी है। पर वास्तव में यह भाषा के गड़बड़झाले के सिवा और कुछ नहीं है। जैसे वीरकर्म से पृथक वीरत्व कोई पदार्थ नहीं वैसे ही सुन्दर से पृथक सौंदर्य कोई पदार्थ नहीं, कुछ रंग-रूप की वस्तुएँ ऐसी होती हैं जो हमारे मन में आते ही थोड़ी देर के लिए हमारी सत्ता पर ऐसा अधिकार कर लेती हैं कि उसका ज्ञान ही हवा हो जाता है और हम उन वस्तुओं की भावना के रूप में ही परिणत हो जाते हैं। हमारी अन्तरसत्ता की यही तदाकार परिणति सौंदर्य की अनुभूति है। इसके विपरीत कुछ रूप-रंग की वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिनकी प्रतीति या जिनकी भावना हमारे मन में कुछ देर टिकाने ही नहीं पाती और एक मानसिक आपत्ति-सी जान पड़ती है, जिस वस्तु के प्रत्यक्ष ज्ञान या भावना की तदाकार-परिणति जितनी ही अधिक होगी, उतनी ही वस्तु हमारे लिए सुन्दर कही जाएगी। रूप विवेचन से स्पष्ट है कि भीतर-बाहर का भेद व्यर्थ है जो भीतर है वही दूर है। यही बाहर हँसता-खेलता, रोता-गाता, खिलता-मुरझाता जगत भीतर भी है जिसे हम मन कहते हैं, जिस प्रकार यह जगत रूपमय और गतिमय है उसी प्रकार मन भी मन भी रूप-गति का संघात ही है।

4. सरल हिंदी में व्याख्या कीजिये:

(क) जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिये जान,
मोल करो तलवार का पड़ा रहन दो म्यान,
हस्ती चढ़िये ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि,
स्वान-रूप संसार है, भूंकन दे झक मारि, (अंक 5)

अथवा

जो अगणित लघु दीप हमारे,
तूफानों में एक किनारे,
जल-जलकर बुझ गए किसी दिन
माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल!
कलम, आज उनकी जय बोला!

पीकर जिनकी लाल शिखाएँ,
उगल रही लपट दिशाएँ,
जिनके सिंहनाद से सहमी-

धरती रही अभी तक डोल!

कलम, आज उनकी जय बोल!

(ख) क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है, एक का क्रोध दूसरे में भी क्रोध का संचार करता है। जिसके प्रति क्रोध-प्रदर्शन होता है वह तत्काल अपमान का अनुभव करता है और इस दु:ख पर उसकी भी त्योरी चढ़ जाती है।, यह विचार करने वाले बहुत थोड़े निकलते हैं कि हम पर जो क्रोध प्रकट किया जा रहा है, वह उचित है या अनुचित इसी से धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों में क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है। (अंक 5)

अथवा

नेकी न करना बदनामी की बात नहीं। अपनी इच्छा नहीं है या सामर्थ्य नहीं है। इसके लिए कोई हमें बुरा नहीं कह सकता, मगर जब हम नेकी करके उसका एहसान जताने लगते हैं, तो वही जिसके साथ हमने नेकी की थी, हमारा शत्रु हो जाता है, और हमारे एहसान को मिटा देना चाहता है। वही नेकी अगर करने वालों के दिल में रहे, तो नेकी है, बाहर निकल आये तो बदी है। (अंक 5)

5. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिये (अंक 5)

(i) अतिवृष्टि
(ii) अनिवार्य
(iii) आद्र
(iv) कनिष्ठ
(v) वैमनष्य
(vi) घात
(vii) गमन
(viii) चंचल
(ix) स्वकीय
(x) बर्बर

6. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिये: (अंक 5)

(i) परलोकिक
(ii) समाजिक
(iii) परितोषिक
(iv) वाल्मिकी
(v) उज्जवल
(vi) सप्ताहिक
(vii) अनिर्वचनिय
(viii) कवियित्री
(ix) चंडाल
(x) श्रंगार

7. निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिये: (अंक 5)

(i) अक्ल पर पत्थर पड़ना
(ii) आस्तीन का साप होना
(iii) मान न मान में तेरा मेहमान
(iv) लोहे के चने चबाना
(v) काला अक्षर भैंस बराबर

8. निम्नलिखित युग्मों में दिये हुए शब्दों का अपने बनाए वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिये कि दोनों का पारस्परिक अंतर यथासंभव स्पष्ट हो जाए: (अंक 5)

(i) अन्न - अन्य
(ii) जलज - जलद
(iii) ग्रह - गृह
(iv) अविलम्ब - अवलंब
(v) नीयत नियत

9. (अ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिये एक-एक शब्द लिखिये: (अंक 21/2)

(i) जो सबको सामान दृष्टि से देखता हो
(ii) जिसका कोई आधार न हो
(iii) जो बिना वेतन के कार्य करे
(iv) जो बहुत अधिक बोलता हो

(अ) पंद्रह दिन में एक बार प्रकाशित होने वाला

(अ) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिये: (अंक 21/2)

(i) वीरोचित

(ii) दिग्गज

(iii) दुराग्रह

(iv) उल्लास

(v) उच्चारण

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी मे निबंध लिखिये: (अंक 30)

(i) राजभाषा हिंदी की वर्तमान स्थिति

(ii) सूचना प्रौद्योगिकी और युवा पीढ़ी

(iii) पर्यावरण प्रदूषण एक चुनौती

(iv) हिंदी सिनेमा दशा और दिशा

(v) शिक्षा और समाज